University in News on 29 February 2020

Times of India

Greek gods, Gandhi economics & more to broaden student horizon

LU Clears New Topics For PG Study

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: From Indian, Greek and Norse mythologies to Mahatma Gandhi's rural economics and how Indigenous communities are protecting the environment — students of Lucknow University will have a wide range of study topics to choose from in the postgraduation level.

An exhaustive list of new papers for different departments were approved by their respective boards on Friday.

A paper on 'mythologies of the ancient world', being introduced by the ancient Indian history department, will offer students an opportunity to learn about the Titans and Olympians (the two clans of deities in the Greek mythology) along with Shiva and Vishnu (gods in Brahminical mythology), and Zoroastrian and Norse mythologies, said professor Prashant Srivastava.

The paper on 'historical timeline of ancient Indian chronology', on the other hand, will be a snapshot on the country's ancient past, he said. Both these papers will be elective in nature, offered under the choice-based credit system to students of other subjects in arts, science and commerce.

Gandhi's model of a self-sufficient village — Gram Swaraj — will be a part of the rural economics paper in the economics department. The objective is to motivate students to study, research and implement Gandhian economics and help tackle farmer distress in the country.

Similarly, gender economics and social sector (health and education) economics will be introduced keeping in mind the need to study and work in the field of human development, said Arvind Mohan, head of economics at LU. These papers will also be elective ones, but only for economics students.

The 'sociology of environment' paper, introduced in the sociology department, will be offered to MA (Sociology) students and include study of environment protection traditions in Indian communities. "For example, the life of Bishnois in Rajasthan for whom saving khejri trees and black bucks is of religious importance," explained professor Pawan Kumar Mishra of sociology.

The philosophy department has a new MA paper on 'Indian philosophy of language'. Students will be taught how the meaning of a word changes with situation and context. "For instance, 'love' can be used for a nation, in a relation or for a hobby, among other things," said professor KC Pandey of the department.

THE NEW CURRICULUM

1 ANCIENT INDIAN HISTORY
Elective Paper | Mythologies of ancient world such as Brahmanical, Greek, Zoroastrian, Sumerian and Norse to be taught. Paper will be named 'Mythologies of ancient world'

Elective Paper | Chronology of ancient periods of India

*Students of any stream, including science or commerce, can opt for the two papers

2 ECONOMICS
Rural economics paper | Topics will include Gandhian approach to rural development, his philosophy of rural industrialisation and gram swaraj

3 SOCIOLOGY
MA paper | **Sociology of environment** | Students will be taught global warming and climate change

4 PHILOSOPHY | MA paper
Indian philosophy of language | Students will made to understand the meaning of word, sentence and how it changes with context , situations. The subject will revolve around how meaning of a word and sentences changes with situations

LU to churn out happiness teachers

There is no path to happiness; happiness is the path — so said Gautama Buddha. Taking cue from a similar philosophy, Lucknow University has decided to churn out 'happiness teachers'.

The education department is introducing a paper in MEd called 'education for happiness'. Students will be taught how happiness is an "inside thing" and will be told to pass on the lesson when they become teachers after completing the course. "The department has been researching on various aspects of happiness and has found that for the present generation, happiness is confined to getting likes on social media. The meaning of happiness is overshadowed by virtual joy and this needs to be transformed," said dean of education Amita Bajpai. The dean said MEd students would be taught both the western concept of happiness and the Indian one quoted in the Vedas and Bhagavad Gita. One more paper on 'understanding self' is being introduced to help students. TNN

Amar Ujala-My City

एमकॉम के छात्र भी करेंगे इंटर्नशिप

फ्रेंच और जर्मन भाषा भी पढ़ेंगे छात्र, लविवि में संकाय बोर्ड की बैठक में सिलेबस पास

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एमकॉम की पढ़ाई करने वाले छात्रों को अब इंटर्नशिप का भी मौका मिलेगा। साथ ही उन्हें अब फ्रेंच और जर्मन भाषा की पढ़ाई भी कराई जाएगी। कॉमर्स संकाय ने चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के सिलेबस में इसे शामिल किया है। तीसरे सेमेस्टर में इंटर्नशिप तथा चौथे में डेजर्टेशन (शोध-निबंध) की व्यवस्था भी सिलेबस का भाग होगी। लविवि में शुक्रवार को कॉमर्स, विज्ञान, कला और विधि संकाय की फैकल्टी बोर्ड की बैठक विभिन्न विभागों के सिलेबस पास किए गए। विवि में नये सत्र से परास्नातक स्तर पर सीबीसीएस प्रणाली लागू होनी है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इसके लिए 28 फरवरी अंतिम तारीख तय की थी।

संकाय बोर्ड की बैठक में पास किए गए सिलेबस के अनुसार सभी पाठ्यक्रम 96 से 100 क्रेडिट तक होंगे। सीबीसीएस में विद्यार्थियों को यह सुविधा मिलेगी कि वे इलेक्टिव विषयों की पढ़ाई अन्य विभागों में भी कर सकें। विद्यार्थी विकल्प के रूप में अन्य विषयों के साथ ही मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज (मूक्स) से भी पढ़ाई कर पाएंगे। इसके लिए क्रेडिट भी निर्धारित किए जाएंगे। सीबीसीएस में एक सेमेस्टर में कम से कम 90 दिन की अनिवार्य कक्षाएं होंगी। सप्ताह में पढ़ाई के लिए 25 घंटे न्यूनतम घंटे समेत कुल मिलाकर 450 घंटे की पढ़ाई होना अनिवार्य होगा। सेमेस्टर स्तर पर न्यूनतम 24 घंटे और इलेक्टिव विषयों के लिए भी न्यूनतम चार क्रेडिट अनिवार्य होंगे।

पढ़ाई के बाद नौकरी पाना हो जाएगा आसान

लविवि अपने सीबीसीएस में इंटर्नशिप की व्यवस्था शुरू करने जा रहा है। इसका सीधा फायदा यहां के विद्यार्थियों को मिलेगा। अभी तक एमकॉम करने के बाद भी विद्यार्थियों को रोजगार के लाले रहते हैं। इंटर्नशिप करने के बाद उन्हें यह पता चलेगा कि वे कैसे संस्थानों में काम कर सकते हैं। काम का अनुभव होने पर उन्हें रोजगार में भी फायदा मिलेगा। विवि प्रशासन इंटर्नशिप की व्यवस्था सभी संकायों में लागू कर रहा है। ऐसे में एमए, एमकॉम और एमएससी सभी संस्थानों के विद्यार्थी इसका फायदा उठाएंगे।

पांच यूनिट में होगा प्रश्नपत्र

लविवि ने जो सिलेबस पास किया है, उसके अनुसार सभी प्रश्नपत्र पांच यूनिट के होंगे। सिलेबस में वैकल्पिक प्रश्नपत्रों की सुविधा मिलेगी तथा इसके क्रेडिट भी ट्रांसफर होंगे। सबसे अच्छी बात यह होगी कि एक संकाय का विद्यार्थी किसी अन्य संकाय के प्रश्नपत्र पढ़ सकेगा तथा इसके लिए उसे बाकायदा नंबर और क्रेडिट भी मिलेंगे।

मॉलीक्यूलर जेनेटिक्स के पाठ्यक्रम पर हुई चर्चा

विज्ञान संकाय की फैकल्टी बोर्ड की बैठक में मॉलीक्यूलर जेनेटिक्स के नए पाठ्यक्रम शुरू करने पर चर्चा हुई। पाठ्यक्रम की बकालत करने वाली शिक्षक ने इसके लिए अपेक्षित सहयोग न मिलने की बात कही। इस पर संकायाध्यक्ष प्रो. सोमेश शुक्ला ने विभागाध्यक्ष तथा पूर्व संकायाध्यक्ष के साथ मिलकर इस पर चर्चा करने की बात कही। इसी तरह बैठक में एस्ट्रोनॉमी में होने वाले इंटर-डिसीप्लीनरी शोध को हर साल मंजूरी देने की व्यवस्था समाप्त करके एक बार ही अनुमति लेने का प्रस्ताव रखा गया। इस पर कुलपति के साथ बैठक करके किसी निष्कर्ष पर पहुंचने की बात कही गई है।

Pioneer

लविवि: अगले सत्र से सीबीसीएस में 450 घंटे की होगी पढ़ाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में अगले सत्र से परास्नातक स्तर पर संचालित कोर्सों में 450 घंटे की पढ़ाई अनिवार्य होगी। इस बावत शुक्रवार को सम्पन्न हुई फैकल्टी बोर्ड की बैठक ने मंजूरी दे दी है। बोर्ड ने एक सेमेस्टर में 90 दिन की पढ़ाई अनिवार्य की है। एमकॉम के प्रथम सेमेस्टर में छात्रों के लिए सीबीसीएस के तहत दो कोर्स जोड़े गए हैं।

पहले वैल्यू एडेड कोर्स में छात्र फ्रैंच या जर्मन में से कोई एक ले सकते हैं। दूसरे या तो छात्र यूजीसी का ऑनलाइन मूक्स कोर्स पढ़कर सार्टिफि केट लगा सकते हैं या विभाग का इण्डियन फाइनेन्शियल सिस्टम पढ़ सकते हैं। दूसरे सेमेस्टर में योग का एक विषय जोड़ा गया है, जिसकी छात्रों को परीक्षा नहीं देनी होगी। तीसरे सेमेस्टर में छात्रों के लिए इन्टर्नशिप अनिवार्य की गई है। यह इन्टर्नशिप छात्र दूसरे सेमेस्टर को पास करने के तुरन्त बाद मई से जून के बीच कर सकेंगे। यह इन्टर्नशिप छह से आठ सप्ताह की होगी।

बीएड प्रवेश परीक्षा को लेकर आठ मार्च को होने वाली परीक्षाएं टलीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आगामी आठ मार्च को प्रस्तावित राज्य स्तरीय संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने विवि परिसर में संचालित होने वाली सभी स्नातक वार्षिक पाठ्यक्रम की परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है। प्रवक्ता डॉ दुर्गेश कुमार ने बताया कि 8 मार्च को संयुक्त राज्य बीएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाना है। लखनऊ विश्वविद्यालय को बीएड का नोडल सेंटर बनाया गया है। साथ ही बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं बीएड परीक्षा में शामिल होते हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालय में 8 मार्च को होने वाली वार्षिक परीक्षाओं को स्थगित कर दिया गया है।

पांच यूनिट का आएगा प्रश्न पत्र

प्रत्येक विभाग में पीजी के पेपर 96 से लेकर 100 अंकों के बीच के होंगे। हर प्रश्न पत्र में पांच यूनिट होंगी। विज्ञान संकाय की फेकेल्टी बोर्ड की बैठक में जन्तु विज्ञान विभाग मॉलीकूलर जेनेटिक्स का नया कोर्स शुरू करने पर मुहर लगा दी गई है। जिसमें छात्र आण्विक आनुवंशिकीए आणविक स्तर पर जीनों की संरचना आदि के बारे में अध्ययन करेंगे। साइंस की बोर्ड ऑफफैकेल्टी की मीटिंग में विभाग के फिजिक्स डिपार्टमेंट में रिन्यूवल एनर्जी का कोर्स चलता है। जिसको अलग कर दिया गया है इस पर अब फिर से बोर्ड ऑफस्टडीज बैठक करके ये तय करेगी कि ये कोर्स चलेगा या नहीं। ये कोर्स बिना किसी बैठक के बिना किसी नियम के अलग कर दिया गया था। सीबीसीएस प्रणाली में हर विभाग के प्रत्येक विषय के प्रश्न पत्र में पांच यूनिट होंगी। कुछ में 25 तो कुछ संकायों के विभागों में 24 क्रेडिट के कोर्स शुरू होंगे।

Hindustan Lucknow Live

फैकल्टी बोर्ड ने सीबीसीएस को दी हरी झंडी, नए सत्र से लागू

सीबीसीएस में हर सेमेस्टर में छात्रों को देने होंगे 6 पेपर

लखनऊ विवि

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी बोर्ड ने परास्नातक में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम 'सीबीसीएस' को हरी झंडी दे दी है। सीबीसीएस में शिक्षकों को छात्रों को 450 घंटे अनिवार्य रूप से पढ़ाना होगा। बोर्ड ने एक सेमेस्टर में 90 दिन की पढ़ाई अनिवार्य की है।

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन नए सत्र से परास्नातक कोर्सों में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम 'सीबीसीएस' लागू करने जा रहा है। पहले चरण में इसे परास्नातक कोर्सों में लागू किया जाएगा। बोर्ड ऑफ स्टडीज से मुहर लगाने के बाद शुक्रवार को फैकल्टी बोर्ड ने सीबीसीएस पाठ्यक्रम को हरी झंडी दे दी है।

प्रशासन के अनुसार सीबीसीएस में जिस तरह विज्ञान का छात्र इतिहास की कक्षा कर सकेगा। उसी तरह एक विभाग का शिक्षक दूसरे विभाग में जाकर छात्रों की कक्षाएं ले सकेंगे। सीबीसीएस न्यूनतम 96 क्रेडिट व अधिकतम 100 क्रेडिट का होगा। इसमें शिक्षकों को छात्रों को पूरे सेमेस्टर में 450 घंटे या फिर 90 दिन की पढ़ाई अनिवार्य रूप से करना होगी।

पांच यूनिट का आएगा प्रश्न पत्र : सीबीसीएस में हर सेमेस्टर में छात्रों को 6 पेपर देने होंगे। इनमें से 4 पेपर अनिवार्य होंगे, जबकि एक पेपर वैकाल्पिक व दूसरा ओपन फॉर आल होगा। प्रश्न पत्र 5 यूनिट का आएगा। इसके अलावा तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए इंटर्नशिप और चौथे सेमेस्टर में छात्रों का थाइवा होगा।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा में 20% अनुपस्थित रहे: अंबेडकर विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा में 20 प्रतिशत छात्र अनुपस्थित रहे। वहीं, प्रवेश परीक्षा का परिणाम शनिवार को घोषित कर दिया जाएगा। प्रवक्ता रचना गंगवार ने बताया कि दो सत्रों में आयोजित परीक्षा के प्रथम सत्र में 75.54 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित रहे। वहीं, द्वितीय सत्र में अभ्यर्थियों की उपस्थिति 85 प्रतिशत रही। परीक्षा के लिए गोमतीनगर स्थित मेट्रो इनफो साल्यूशन व कुर्सी रोड स्थित डीआईटी एजुकेशन सेंटर को परीक्षा केन्द्र बनाया गया था। अभ्यर्थी अपना परिणाम शनिवार को विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.bbau.ac.in पर देख सकते हैं।

विश्वविद्यालय ने निरस्त की 8 मार्च की परीक्षाएं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने आठ मार्च को होने वाली सभी स्नातक वार्षिक पाठ्यक्रम की परीक्षाओं को निरस्त कर दिया है। प्रवक्ता डॉ दुर्गेश कुमार ने बताया कि 8 मार्च को संयुक्त राज्य बीएड प्रवेश परीक्षा होनी है। लखनऊ विश्वविद्यालय को बीएड का नोडल सेंटर बनाया गया है। साथ ही बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं बीएड परीक्षा में शामिल होते हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालय में 8 मार्च को होने वाली वार्षिक परीक्षाओं को निरस्त कर दिया गया है।